सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 21 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 22 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप हर साल अपने द्वारा किये जाने वाले प्रयोगों को दोगुना कर दें तो आप अपनी आविष्कारशीलता को दोगुना कर लेंगे।

-जेफ बेजोस

कानपुर देहात कांड को गीत में उठाने पर नेहा... 8
24 में फिर सेना बनेगी 'चुनावी... 3
यूपी में चुनाव का इंतजार बा, अगली... 7

योगी सरकार 2.0 का मेगा बजट
लोकसभा चुनाव-24 पर नजर

» स्वास्थ्य के लिए 12, 650 करोड़ की व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 का आज दूसरा बजट पेश किया। 690242.43 करोड़ का यह मेगा बजट है। बजट को सत्ता पक्ष ने जनता का बजट बताया तो विपक्ष ने इसे छलावा करार दिया। सरकार ने इस बजट के जरिए युवाओं, महिलाओं, किसानों और कामगारों को साधने की कोशिश की है। इस बजट पर चुनाव का भी असर दिखा। 2024 की चुनावी राह आसान करने के लिए सड़क-सेतुओं के निर्माण समेत बुनियादी ढांचे के विकास पर भी जोर दिया है।

सीएम योगी ने अपने दूसरे कार्यकाल का दूसरा बजट कुल 690242.43 करोड़ का बजट पेश किया। बजट पेश करने से पहले सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत काल के प्रथम वर्ष में आज प्रस्तुत होने जा रहा नए उत्तर प्रदेश का बजट राज्य के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के इतिहास में नए स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा। नि:संदेह, यह बजट आदरणीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप प्रदेश के गांव, गरीब, किसान, नौजवान व महिलाओं समेत समाज के हर तबके के हितों की पूर्ति करने वाला होगा।

कृषि विकास योजना को 984 करोड़

कृषकों को कृषि की समग्र नवीनतम तकनीक से प्रशिक्षित करने हेतु एक नवोन्मेषी कार्यक्रम द मिलियन फार्मर्स स्कूल का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है। वर्ष 2023 -2024 में 17000 किसान पाठशालाओं का आयोजन प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022- 2023 में माह नवम्बर 2022 तक 12 किस्तों में 51.639 करोड़ रूपये का भुगतान डीबीटी के माध्यम से कृषकों के बैंक खातों में किया गया। नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर योजना हेतु 631 करोड़ 93 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022 2023 में प्रदेश के 49 जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती का कार्य प्रारम्भ किया गया है जिसमें गंगा नदी से जुड़े 26 जनपद सम्मिलित हैं। योजनान्तर्गत 1714 क्लस्टर्स आच्छादित हैं जिनका सम्मिलित क्षेत्रफल 85,710 हेक्टेयर है। योजना हेतु 113 करोड़ 52 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। कृषकों के निजी नलकूपों को रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु 1950 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना हेतु 984 करोड़ 54 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

फोटो: सुमित कुमार

कुल 690242.43 करोड़ का प्रावधान

इतिहास में नए स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा बजट : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बुधवार को विधानसभा में बजट पेश किए जाने से पहले दावा किया कि यह बजट राज्य के सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के इतिहास में नए स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा।

राजस्व संग्रह का लक्ष्य 1 लाख 50 हजार करोड़

वित्तमंत्री ने आय-व्ययक में की गई व्यवस्थाओं व राजकोषीय सेवाओं का विवरण प्रस्तुत किया। राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य संवर्धित कर से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 01 लाख 50 हजार करोड़ रुपये (1,50,000 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है। आबकारी शुल्क से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 58 हजार करोड़ रुपये (58,000 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है। स्टाम्प एवं पंजीकरण से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 34 हजार 560 करोड़ रुपये (34,560 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है। वाहन कर से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 12 हजार 672 करोड़ रुपये (12,672 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

32 हजार 721 करोड़ की नई योजनाएं

21 हजार करोड़ रु. सड़कों-पुलों के लिए आवंटित

30 करोड़ रूपये खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिये प्रस्तावित

छात्रों को टैबलेट-स्मार्टफोन के लिए 3600 करोड़

समग्र शिक्षा अभियान को 20,255 करोड़

प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमिक लक्ष्य की प्राप्ति हेतु हमारी सरकार संकल्पबद्ध है। प्रदेश में बेसिक शिक्षा के अधीन शासकीय / अशासकीय लगभग 2,23,712 विद्यालय संचालित हैं, जिसमें सभी बच्चों के लिए 01 से 03 किलोमीटर की परिधि में विद्यालय की सुविधा उपलब्ध है। समग्र शिक्षा अभियान हेतु 20,255 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। वनटांगिया गावों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संचालन एवं निर्माण हेतु 11 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

3047 करोड़ उज्जवला योजना के लिए और न्यायालय परिसर के निर्माण हेतु 700 करोड़ रूपये की व्यवस्था वहीं पिछड़ा वर्ग के पूर्वदशम एवं दशमोत्तर कक्षाओं के छात्र / छात्राओं को छात्रवृत्ति हेतु 2107 करोड़ रूपय आवंटित।

धार्मिक स्थलों के लिए करोड़ों दिए

मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजनान्तगत प्रदेश में स्थित पर्यटन स्थलों का विकास 300 करोड़ रूपये की धनराशि से कराया जा रहा है। शक्ति पीठ माँ शाकुम्भरी देवी मन्दिर के समेकित पर्यटन विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 50 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। प्रयागराज के समेकित विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। पर्यटन इकाईयों को प्रोत्साहन हेतु 45 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।बौद्ध परिपथ के समेकित पर्यटन विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। बुन्देलखण्ड का समेकित पर्यटन विकास हेतु 40 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। शुकतीर्थ धाम का समेकित पर्यटन विकास हेतु 10 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। युवा पर्यटन को बढ़ावा देना हेतु 2 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

"ये बजट दिशाहीन बजट दिखाई देता है। मुझे लगता है कि ये सरकार 1 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी नहीं बना पाएगी। यहां इज यॉफ डूइंग क्राइम है, इज ऑफ डूइंग मुकदमा है। राज्य में गाने पर मुकदमा हो रहा है। इसमें जातीय जनगणना के लिए कोई बजट नहीं है।

अखिलेश यादव, सपा सुप्रीमो

एक बार फिर यह बजट छलावा : शिवपाल

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने यूपी बजट 2023-24 पेश किए जाने से ठीक पहले बयान जारी करते हुए कहा कि एक बार फिर यह बजट मुकम्मल छलावा होगा।

यूपी को भ्रमकारी नहीं रोजगार-युक्त बजट चाहिए : मायावती

मायावती ने कहा, यूपी सरकार द्वारा सदन में आज पेश बजट जनहित व जनकल्याण का कम एवं लोकसभा चुनाव स्वार्थ को लेकर पुनः वादों का पिटारा। क्या इस अवास्तविक बजट से यहाँ की जनता का हित व कल्याण तथा भारत का ग्रोथ इंजन बनने का दावा पूरा होगा? कर्ज में डूबी यूपी को भ्रमकारी नहीं रोजगार-युक्त बजट चाहिए। बीएसपी चीफ ने कहा, यूपी भाजपा सरकार अपनी बहुप्रचारित घोषणाओं, वादों व दावों को ध्यान में रखकर यहां महंगाई से त्रस्त लगभग 24 करोड़ जनता की गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, पिछड़ेपन एवं अराजकता आदि से उत्पन्न बदहाली को दूर करने हेतु अपनी कथनी व करनी में अन्तर से जनता के साथ विश्वासघात क्यों। बसपा प्रमुख ने कहा, यूपी सरकार द्वारा लोकसभा आमचुनाव के मद्देनजर नए भ्रमकारी वादे व दावे करने से पहले पिछले बजट का ईमानदार रिपोर्ट कार्ड लोगों के सामने नहीं रखने से स्पष्ट है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में प्रति व्यक्ति आय व विकास की जमीनी हकीकत मिथ्या प्रचार व जुमलेबाजी. बजट ऊंट के मुंह में जीरा।

सौ मोदी या शाह भी नहीं रोक सकते 24 में कांग्रेस को : खरगे

» लोस चुनाव में जनता सिखाएगी भाजपा को सबक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दीमापुर। नगालैंड विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी और केंद्र में अगली सरकार कांग्रेस के नेतृत्व में बनेगी चाहे सौ मोदी या शाह ही क्यों न आ जाएं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अन्य दलों से इस पर बातचीत चल रही है।

हम लोकतंत्र और संविधान को मानने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हमारे पास बहुमत था, लेकिन भाजपा ने 17-18 विधायकों को खरीद लिया और उनसे इस्तीफा दिलवाकर अपनी सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड हर जगह उन्होंने (भाजपा) दबाव बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा एक तरफ तो लोकतंत्र और संविधान की बात करती है, लेकिन दूसरी ओर उसके सारे कार्य अलोकतांत्रिक हैं। खरगे ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, नरेंद्र मोदी सरकार के पास नगा राजनीतिक मुद्दे के सहमत समाधानों को लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने नगालैंड और देश के लोगों को धोखा दिया है। भाजपा नगाओं की सांस्कृतिक पहचान को खत्म करना चाहती है।

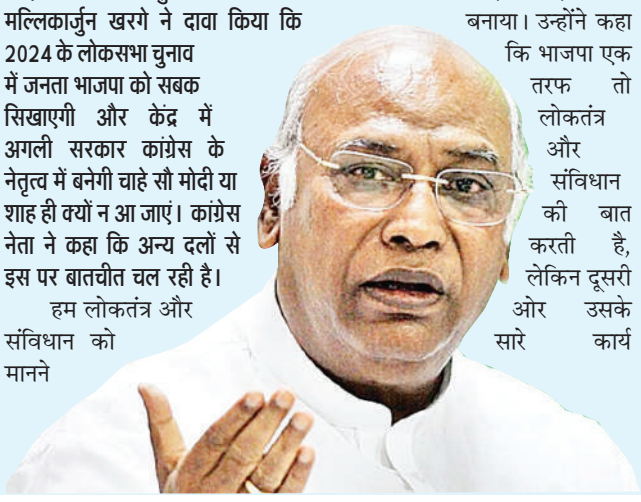

27 को भाजपा-एनएनपी का खेल होगा खत्म : गौरव गोगोई

शिलांग। कांग्रेस सांसद और मेघालय स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भाजपा व एनएनपी पर तीखा प्रहार किया है। मेघालय की जनता भारतीय जनता पार्टी और नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) चुनाव के समय एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार का आरोप-प्रत्यारोप का जो ड्रामा खेल रहे हैं, उसे जनता देख रही है। उनका क्लाइमेक्स यहां की जनता 27 फरवरी को लिखेगी। यह कहना है का। उन्होंने कांग्रेस को लेकर भाजपा भ्रष्टाचार का सारा आरोप एनपीपी पर मढ़ कर खुद को पाक साफ बता रही है, लेकिन वह यह भूल रही है कि वह भी उस सरकार का हिस्सा थी। जनता सब कुछ देख रही है और जनता समझ रही है कि यह केवल एक ड्रामा है। जनता ने देखा कि किस तरह से पिछले पांच वर्षों में दोनों ने मिलकर मेघालय के प्राकृतिक संसाधनों का अपने लिए दोहन किया। कांग्रेस के सांसद और मेघालय स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा, कांग्रेस एक नई और ऊर्जावान उम्मीदवारों के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। मेघालय के लोगों का उन्हें भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है। सरकार बनते ही कांग्रेस चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वायदे पूरे करेगी।

दोनों मिलकर मेघालय के प्राकृतिक संसाधनों को लूट रहे

राजनीतिक दलों ने हकदारी की मानसिकता को दिया बढ़ावा : वरुण गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

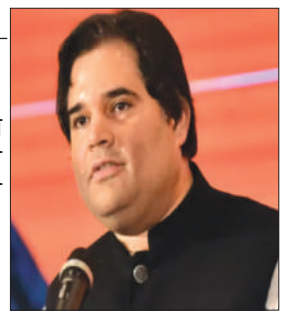

नई दिल्ली। पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी बीते काफी दिनों से सुर्खियों में हैं। सांसद लंबे वक्त से पार्टी के खिलाफ जमकर बयानबाजी कर रहे हैं। दूसरी ओर उनके कांग्रेस या समाजवादी पार्टी में जाने की भी चर्चा थी। वहीं इन अटकलों के बीच बीजेपी सांसद ने राजनीतिक दलों को निशाना बनाया है। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने बुधवार को कहा कि राजनीतिक दलों ने हकदारी की मानसिकता को बढ़ावा दिया है और मुफ्त उपहार देकर जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी राज्यों में कल्याणकारी योजनाओं को चलाया जा रहा है।

गांधी ने अपनी नवीनतम पुस्तक द इंडियन मेट्रोपोलिस के बारे में बात करते हुए कहा, इस तरह के वादे करना मतदाताओं का अपमान है, जबकि ऐसे कई वादे अधूरे या बीच में ही छोड़ दिए जाते हैं। सरकारी स्तर पर, हम अपने शहरों में वनों और हरे क्षेत्रों के मूल्य और उनके अमूर्त लाभों के बारे में समझने की एक महत्वपूर्ण कमी का सामना करते हैं। बता दें कि गांधी पिछले कुछ समय से कृषि कानूनों, बेरोजगारी और शासन से जुड़े अन्य मुद्दों जैसे विभिन्न मुद्दों पर अपनी पार्टी से स्वतंत्र रुख अपनाते रहे हैं। उन्होंने अब तक चार पुस्तकें लिखी हैं जिनमें उनकी नवीनतम इंडियन मेट्रोपोलिस है।

जनता करेगी झूठ के लाक्षागृह को भस्म : कमलनाथ

» कांग्रेस फिर से झूठ पत्र बनाएगी : शिवराज सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बीच सवालों का युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा। शिवराज ने कहा कि कांग्रेस के झूठे वादे सामने लाना मेरी ड्यूटी है। कांग्रेस फिर से झूठपत्र बनाएगी। हालांकि, कमलनाथ ने पलटवार में महाभारत का सहारा लिया और कहा कि जनता भाजपा के झूठ के लाक्षागृह को भस्म करेगी।

महाभारत में कौरवों ने पांडवों के लिए लाक्षागृह बनाया था और उसे भस्म कर दिया था। हालांकि, पांडव बच निकले थे। शिवराज और कमलनाथ एक-दूसरे से 2018 के चुनाव घोषणापत्रों को लेकर सवाल कर रहे हैं। अधूरे रह गए वादों को जनता के सामने रख रहे हैं। इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि कमलनाथ जी ने महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन देने और स्वरोजगार के लिए बैंकों से रियायती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने का वादा किया था।

विदेश मंत्री असुरों की कर रहे सेवा: टीएमसी

» जयशंकर ने अपने पिता के. सुब्रमण्यम को बताया था उम्दा अधिकारी

» कांग्रेस पर लगाया था परेशान करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसद और पूर्व नौकरशाह जवाहर सरकार ने सवाल किया है कि क्या विदेश मंत्री एस जयशंकर को भूलने की बीमारी है? या वह भाजपा सरकार द्वारा विदेश मंत्री बनाए जाने की वजह से उनकी तारीफ कर रहे हैं?

डॉ. जयशंकर के इस बयान को लेकर टीएमसी सांसद जवाहर सरकार ने ट्वीट करते हुए एस जयशंकर के पिता के गुजरात दंगे को लेकर दिए गए बयान का जिक्र किया और लिखा के. सुब्रमण्यम ने कहा था कि गुजरात में धर्म की हत्या हुई। जो लोग मासूम लोगों की रक्षा नहीं कर सके वह अधर्म के दोषी हैं। राम गुजरात के असुर शासकों के खिलाफ अपने धनुष बाण का इस्तेमाल करेंगे। इसके बाद जवाहर सरकार ने लिखा बेटे को शर्म आनी चाहिए जो असुरों की सेवा कर रहा है। बता दें कि एक हालिया इंटरव्यू में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आरोप लगाए कि कांग्रेस की इंदिरा गांधी और राजीव गांधी सरकार में उनके पिता के साथ सही सलूक नहीं किया गया।

टीएमसी सांसद ने एस जयशंकर से पूछे सवाल

इसी दावे को लेकर टीएमसी सांसद जवाहर सरकार ने एस जयशंकर को लेकर सवाल पूछे। बता दें कि एक बातचीत में एस जयशंकर ने पूर्व की कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उनके पिता डॉ. के सुब्रमण्यम को 1980 में इंदिरा गांधी की सरकार में रक्षा उत्पादन के सचिव पद से हटा दिया गया था। साथ ही राजीव गांधी की सरकार में उनके पिता से जूनियर अधिकारी को उनसे पहले प्रमोट कर दिया गया था। एस जयशंकर ने दावा किया कि उनके पिता रक्षा मामलों में सबसे ज्यादा ज्ञानवान अधिकारी थे, इसके बावजूद उनके साथ ऐसा किया गया।

रिफाइनरी को लेकर केंद्र और गहलोत सरकार में टकराव

» राज्य सरकार पर 2500 करोड़ बकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाड़मेर। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना और पुरानी पेंशन योजना के बाद अब बाड़मेर के पचपदरा रिफाइनरी को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच टकराव के हालात उत्पन्न होने लगे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने पचपदरा में कहा, राजस्थान सरकार रिफाइनरी निर्माण में अपने हिस्से का पैसा नहीं दे रही है।

राज्य सरकार पर 2500 करोड़ बकाया है। ऐसे में राजस्थान सरकार की हिस्सेदारी को 26 से घटाकर 16 फीसदी कर देंगे। निर्माणाधीन रिफाइनरी का दौरा करने के बाद हरदीप पुरी ने कहा, इसका लगभग आधा काम पूरा हो चुका है। रिफाइनरी का जब प्रोजेक्ट बना था, तब केंद्र और राज्य की हिस्सेदारी तय हो गई थी। केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 74 और राज्य सरकार की 26 प्रतिशत तय हुई थी। उन्होंने कहा कि साल 2017 में अनुमानित लागत 43,129 करोड़ रुपये आंकी गई। इसके बाद कोरोना में रिफाइनरी का काम रुक गया और और 2017 से 2021-22 तक स्टील के दामों में 45 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई। इस हिसाब से अनुमानित लागत में भी बढ़ोतरी हुई और अगस्त, 2021 तक राज्य सरकार की ओर से रिफाइनरी के लिए 2500 करोड़ का अतिरिक्त बजट आना था।

24 में फिर सेना बनेगी 'चुनावी हथियार'

» जम्मू-कश्मीर से सैनिक हटाने का फैसला ले सकती है मोदी सरकार

» विपक्ष हाथ से निकल सकता है बड़ा मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार एकबार फिर चुनाव में सेना का इस्तेमाल करने के फिराक में है। 2019 के चुनाव से पहले हुए पुलवामा कांड के बाद सेना के सर्जिकल स्ट्राइक को लोक सभा चुनाव में भाजपा ने खूब भुनाया था। विपक्ष द्वारा सबूत मांगने का मामला सीधे देशभक्ति व देशद्रोह से जोड़ पीएम मोदी ने अपने भाषणों में उठा कर भारतीय जनमानस को भावनात्मक रुप से अपनी ओर करके 19 के आम चुनाव में वोटों की लहलहाती फसल काटी और दोबारा सत्ता की कुर्सी पा ली थी। इसबार कश्मीर घाटी से सेना को हटाने का फैसला कर पीएम मोदी मास्टरस्ट्रोक खेलने की सोच रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की तारीख का ऐलान होने से पहले केंद्र की मोदी सरकार एक बड़ा फैसला लेने की तैयारी में है। अगर ऐसा हो गया तो वहां के तमाम क्षेत्रीय दलों के हाथ से न सिर्फ सबसे बड़ा मुद्दा निकल जायेगा बल्कि उनकी मुश्किल ये भी हो जाएगी कि बीजेपी को शिकस्त देने के लिए अब कौन-सा सियासी औजार इस्तेमाल किया जाए। दरअसल, साढ़े तीन साल पहले जब जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म किया गया था तब केंद्र सरकार ने वहां सेना के साथ ही सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां इसलिए भेजी थीं कि वहां अमन-चैन कायम रहे। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है वो उस सूबे के हर अमनपसंद शख्स के लिए किसी सौगात से शायद कम नहीं होगी। इसलिए कि कश्मीर घाटी के आंतरिक इलाकों में तैनात सेना की टुकड़ियों को वापस बुलाने पर मोदी सरकार बेहद गंभीरता से विचार कर रही है। हालांकि गृह और रक्षा मंत्रालय के सूत्रों की बातों पर यकीन करें तो पिछले लगभग दो साल से ये प्रस्ताव लटका हुआ था। लेकिन लगता है कि अब पीएम मोदी खुद ही इसको हरी झंडी देने के पक्ष में हैं।

कश्मीर घाटी से सेना को हटाने का फैसला कर पीएम मोदी मास्टरस्ट्रोक खेलने की सोच रहे हैं

वैसे ताजा आंकड़ों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में फिलहाल करीब 1 लाख 30 हजार भारतीय सैनिकों की तैनाती है जिनमें से तकरीबन 80 हजार तो बॉर्डर पर ही तैनात हैं। लेकिन ये भी सच है कि घाटी के तमाम अंदरुनी इलाकों में राष्ट्रीय रायफल्स यानी आरआर के 40 से 45 हजार जवानों की तैनाती भी है जो हर वक्त किसी भी आतंकी हमले से निपटने के लिए मुस्तैद रहते हैं। कश्मीर घाटी के अंदरुनी इलाकों में तैनात सेना को वहां से हटाकर सारा जिम्मा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीफ को दे दिया जाए। वही घाटी में कानून-व्यवस्था का जिम्मा संभालने के साथ ही सीमा पार से आने वाले आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने में भी सक्षम होगी। बता दें कि बीते दिनों इसी मसले पर अंतर मंत्रालयी बैठक हुई थी जिसमें मोटे तौर पर ये सहमति बनी थी कि ऐसा करना ही सबसे बेहतर रास्ता होगा। लेकिन ये ऐसा नाजुक मसला है जिस पर पीएम मोदी की हरी झंडी मिले बगैर कोई भी मंत्रालय अपने हिसाब से आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा सकता है। हालांकि इसे भी याद रखना होगा कि पूरे जम्मू-कश्मीर में करीब 60 हजार जवानों की तादाद रखने वाले सीआरपीएफ के 45 हजार से ज्यादा जवान फिलहाल कश्मीर घाटी में तैनात हैं, इसके अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस के 83 हजार जवान तो वहां मौजूद हैं ही। लेकिन घाटी में जब थोड़े-से भी हालात बिगड़ते हैं तो वहां केंद्रीय सशस्त्र बलों की जो टुकड़ियां पहुंचती हैं उसका आंकड़ा सरकार के सिवा किसी को भी शायद ही पता हो। इसलिये सुरक्षा बलों की इतनी मौजूदगी देखकर हर कोई ये सवाल पूछ सकता है कि कश्मीर हमारे देश का हिस्सा है या फिर दुश्मन है? । दरअसल, कश्मीर घाटी से फौज को हटाकर मोदी सरकार सिर्फ देश को नहीं बल्कि दुनिया को ये संदेश देना चाहती है कि अब वहां के हालात इतने सामान्य हो चुके हैं कि निष्पक्षता से इसका आकलन कोई भी कर सकता है। हालांकि घाटी से सेना को हटाने का ये फैसला चरणबद्ध तरीके से ही लिया जाना है ताकि सीमा पार बैठा दुश्मन कोई बड़ी करतूत करने का मौका न तलाश पाए। सरकार मानती है कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 निरस्त हो जाने के बाद घाटी में हर तरह की आतंकी हिंसा में तकरीबन 50 फीसदी की कमी आई है। पत्थरबाजी तो पूरी तरह से खत्म ही हो गई है और आलम ये है कि घाटी के अंदरुनी इलाकों में तैनात हमारे सेना के जवान भी ये देखकर हैरान हैं कि यहां इतनी जल्द हालात इतने सामान्य कैसे हो गए।

कश्मीर के क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की भी है पुरानी मांग

हालांकि कश्मीर के क्षेत्रीय राजनीतिक दल पिछले लंबे अरसे से केंद्र से ये मांग करते आ रहे हैं कि घाटी से सेना की पूरी तरह से वापसी हो। लेकिन बीते कुछ महीनों में बीजेपी के स्थानीय नेतृत्व ने भी सरकार को आगाह किया है कि अगर हम कश्मीर घाटी के सामान्य हालात को प्रदर्शित करना चाहते हैं तो उसके लिए जरूरी है कि घाटी से सेना की वापसी हो। बेशक वह चरणबद्ध तरीके से ही हो लेकिन उससे एक बड़ा सियासी संदेश भी जाएगा जो बीजेपी की जमीन को मजबूत करेगा। शायद यही वजह है कि केंद्र सरकार फिलहाल कुछ जिलों मसलन अनंतनाग और कुलगाम जैसे जिलों से सेना की टुकड़ियां हटाने पर विचार कर रही है। सरकार देखना चाहती है कि स्थानीय लोगों के बीच इसका क्या असर होता है और सीमा पार के आतंकी इसे किस रुप में लेते हैं,यानी कि सरकार साल 2000 के दशक का टेस्ट और ट्रायल देखना चाहती है,जब कश्मीर घाटी के अंदरुनी तमाम इलाको में तैनात बीएसएफ को वहां से हटाया गया था।

कांग्रेस-विपक्ष को साझा पीएम चेहरे पर बनानी होगी सहमति

» राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता का मुद्दा गरमाया

» 2024 चुनाव में भाजपा को रोकना मुश्किल नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले जहां राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता का मुद्दा एक बार फिर तेज हो गया है। वहीं दूसरी तरफ गठबंधन के लिए क्षेत्रीय दलों के बढ़ते दबाव के बीच कांग्रेस ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह विपक्षी नेतृत्व के लिए तैयार तो हैं, लेकिन उनकी पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन नहीं छोड़ेगी। दरअसल कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बीते रविवार यानी 19 फरवरी को कहा कि कांग्रेस के बिना कोई भी गठबंधन विफल हो जाएगा।

रमेश आगे कहते हैं कि हमें इस बात का प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं है कि हमें विपक्ष का नेतृत्व करना है, कांग्रेस के बिना कोई भी विपक्षी एकता असफल होगी। ऐसे में सवाल उठता है कि कांग्रेस विपक्ष को मिलाकर प्रधानमंत्री पद के लिए साझा उम्मीदवार से क्यों इनकार कर रही है? 2024 के लिए कांग्रेस का रोडमैप 2004 की तरह है, जिसका मतलब है कि पार्टी को विपक्ष के केंद्र में खुद में लाना है, ऐसे में कांग्रेस साझा उम्मीदवारी की लिए तैयार होती है तो यह पार्टी को कमजोर कर सकता है। भारत जोड़ो यात्रा के नफा नुकसान के बारे में बात करते हुए पॉलिटिकल रिसर्चर कहते हैं कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का सबसे बड़ा लक्ष्य यही था कि वह ग्रैंड ओल्ड पार्टी को 2024 के आम चुनाव में चुनौती देने वाली ताकत के रूप में पेश कर सके। ऐसे में पांच महीने की इस यात्रा ने न सिर्फ कांग्रेस को मजबूती दी है बल्कि राहुल गांधी की छवि भी बेहतर होती दिखी है। भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी को लेकर लोगों में एक लोकप्रिय अपील का एहसास हुआ है। लेकिन इससे यह कहना मुश्किल है कि इस लोकप्रियता को चुनावों में अतिरिक्त वोट मिल पाएंगे या नहीं। सबसे पुरानी पार्टी होने के बाद भी कांग्रेस का पिछले दो आम चुनाव में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था।

विपक्ष का कौन करेगा नेतृत्व

अभी देखें तो 3500 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा करने वाले राहुल गांधी पीएम पद का चेहरा हो सकते हैं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल इस मामले में किसी से पीछे नहीं हैं, इसके अलावा तेलंगाना के सीएम चंद्रशेखर राव हों या बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, इन्हें भी पीएम बनना है। दलितों की सबसे बड़ी नेता मायावती का कद भी इनमें से किसी से कम नहीं है और ऐसे कम से कम दर्जन भर नामों में नीतीश कुमार का नाम भी शामिल है लेकिन नीतीश से जब भी पीएम बनने से जुड़ा सवाल पूछा जाता है तो वो इससे साफ इनकार कर देते है, मतलब एक तरफ इतने सारे पीएम पद उम्मीदवार होंगे और दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी का इकलौता चेहरा तो वोटर को कम से कम इस एक मामले में तो साफ सीधी क्लियरिटी होगी।

नीतीश को राहुल से दिक्कत नहीं

शनिवार यानी 18 फरवरी को पटना के सम्मेलन में बिहार के सीएम नीतीश कुमार से पत्रकारों ने पूछा कि क्या आप 2024 में प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी की उम्मीदवारी को समर्थन देंगे? तो उन्होंने साफ कहा कि हमें कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन इसके साथ साथ नीतीश ने ये भी संदेश दे दिया कि पहले एक साथ बैठकर बात तो करें।

पीएम उम्मीदवारी पर सवाल को राहुल ने टाला

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों के बारे में सवाल पूछा गया जिसे उन्होंने खारिज कर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि यह सवाल सिर्फ ध्यान भटकाने के प्रयास हैं। नेशनल मीडिया भारत जोड़ो यात्रा को नहीं दिखाता है बस यह पूछकर ध्यान भटकाने की कोशिश की जाती है कि कांग्रेस का सीएम या पीएम कौन होगा।

कांग्रेस के बिना विपक्षी दलों की गोलबंदी

हाल ही में तेलंगाना सम्मम में चंद्रशेखर राव उर्फ केसीआर ने विशाल जनसभा आयोजित किया था। इसमें आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, केरल के सीएम पिनराई विजयन, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और लेफ्ट नेता शरीक हुए थे। इस रैली को साल 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले विपक्षी एकजुटता के कवायद के तौर पर देखा जा रहा है, नया मोर्चा बनाने की शंकाओं के बीच कांग्रेस ने कहा कि अगर कांग्रेस को अलग-थलग करके कोई नया मोर्चा बनाने की कोशिश होगी तो यह सीधे-सीधे बीजेपी की सहायता होगी। इस रैली पर कांग्रेस महासचिव और केरल प्रभारी तारिक अनवर ने कहा,भारतीय जनता पार्टी को अगर कोई राष्ट्रीय स्तर पर जवाब दे रहा है या कोई पीएम से सवाल पूछ रहा है तो वह कांग्रेस पार्टी ही है। अगर अन्य पार्टियां कांग्रेस को अलग-थलग करके अगर कोई मोर्चा बनाती है तो यह सीधे तौर पर बीजेपी की मदद होगी।

पुरानी साख बचाने की आस में कांग्रेस

आजादी के बाद सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस पार्टी आज अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। पिछल 7 सालों में पार्टी के हालत पर नजर डाले तो पाएंगे कि केंद्रीय सत्ता से बाहर ग्रैंड ओल्ड पार्टी अब सिर्फ छत्तीसगढ़, राजस्थान और पंजाब जैसे कुछ राज्यों में ही सिमटकर रह गई है। इस बीच 2024 में होने वाले आम चुनाव में साझा उम्मीदवारी से कांग्रेस को नुकसान पहुंच सकता है। अन्य पार्टियों के साथ लड़कर कांग्रेस मजबूत होने की जगह कमजोर हो सकती है, उन्हें सीटों पर समझौता भी करना पड़ सकता है। पटना यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने कहा कि हाल ही में नीतीश कुमार ने एक

सम्मेलन में कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस को आगे आना चाहिए और विपक्षी एकजुटता में देरी नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस ने भी आधिकारिक रूप से नीतीश के बयानों पर सहमति जताई है, लेकिन साल 1977 में कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष ने जिस तरह संयुक्त उम्मीदवार मैदान में उतारा था, इस आम चुनाव में यानी 2024 में बीजेपी के खिलाफ उस तर्ज पर साझा उम्मीदवार की कोई संभावना नहीं है। वर्तमान में हर राज्यों में सियासी तस्वीर अलग-अलग है, इसलिए फिलहाल बीजेपी के खिलाफ साझा विपक्षी उम्मीदवार की पैरोकारी रोमांटिसिज्म से ज्यादा कुछ नहीं लग रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को छोड़ भी दें, तब भी तीन राज्यों के मुख्यमंत्री ऐसे हैं जिनके भीतर पीएम पद का उम्मीदवार बनने की दावेदारी की हिलोरें अब भी मार रही हैं। उन तीनों ने ही राहुल की इस यात्रा को लेकर अभी तक ऐसा कोई बयान नहीं दिया है जिससे लगे कि वो इसका खुलकर समर्थन कर रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मातृभाषा से पनपते हैं संस्कृति और संस्कार

इस भाषा में बातचीत करने और चीज़ों को समझने-समझाने की क्षमता के साथ बच्चे विद्यालय में दाखिल होते हैं। अगर उनकी इस क्षमता का इस्तेमाल पढ़ाई के माध्यम के रूप में मातृभाषा का चुनाव करके किया जाये तो इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। भारत की मुख्य विशेषता यह है कि यहाँ विभिन्नता में एकता है। भारत में विभिन्नता का स्वरूप न केवल भौगोलिक है, बल्कि भाषायी तथा सांस्कृतिक भी है। आज का कड़वा सच ये है कि हर 14 दिन में दुनिया में एक भाषा विलुप्त हो रही है। कहीं ऐसा न हो कि विदेशी भाषाओं के मोहजाल में फंसकर हम अपने स्वत्व को ही मिटा दें। ऐसा करके हम अपने अस्तित्व को ही मिटाने का कार्य करेंगे।

भारत में 1652 मातृभाषाएं प्रचलन में हैं, जबकि संविधान द्वारा 22 भाषाओं को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गयी है। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं। उत्तर भारत में मातृभाषा हिन्दी है जबकि दक्षिण के राज्यों संस्कृत से निकली हुई भाषाएं तमिल, तेलगू, कन्नड़ व मलयालम बोली जाती है। मातृभाषा, किसी भी व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। यूनेस्को द्वारा भाषायी विविधता को बढ़ावा देने और उनके संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की शुरूआत की गई। मातृभाषा ही किसी भी व्यक्ति के शब्द और संप्रेषण कौशल की उद्गम होती है। एक कुशल संप्रेषक अपनी मातृभाषा के प्रति उतना ही संवेदनशील होगा, जितना विषय-वस्तु के प्रति। मातृभाषा व्यक्ति के संस्कारों की परिचायक है। वास्तविकता यह है कि मातृभाषा एक कुशल गुरू की भांति ही मार्ग प्रशस्त करती है। मातृभाषा बालक का प्रवृत्तियों को जगाकर स्वतंत्र रूप से सर्जन की प्रेरणा देती है।

मातृभाषा में सरसता और पूर्णता की अनुभूति होती है। मातृभाषा मात्र संवाद ही नहीं, अपितु संस्कृति और संस्कारों की संवाहिका भी है। मातृभाषा सहज रूप में अनुकरण के माध्यम से सीखी जाती है। अन्य भाषाएँ भी बौद्धिक प्रयत्न से सीखी जाती हैं। दोनों प्रकार की भाषाओं के सीखने में अंतर यह है कि मातृभाषा तब सीखी जाती है जब बुद्धि अविकसित होती है, अर्थात् बुद्धि-विकास के साथ मातृभाषा सीखी जाती है। इससे ही इस संदर्भ में होने वाले परिश्रम का ज्ञान नहीं होता है। मातृभाषा का शाब्दिक अर्थ है माँ से सीखी हुई भाषा। बालक यदि माता-पिता के अनुकरण से किसी भाषा को सीखता है तो वह भाषा ही उसकी मातृभाषा कही जाती है। मातृभाषा हम सभी को उस धरातल से जोड़ती है, जो हमें आगे बढ़ते के लिए आधार प्रदान करती है। इसलिए हम यह भी कह सकते हैं कि मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना उत्प्रेरित भी करती है। जब हम अपनी स्वयं की भाषा से इतर किसी दूसरी भाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो स्वाभाविक रूप से वह भाषा हमारा बाहरी आवरण ही होता है। क्योंकि हमारे घर का, आसपास का वातावरण मातृभाषा का ही होता है। इसका दुष्परिणाम यह भी होता है कि हम घर परिवार और समाज से समरस होने का सामर्थ्य खो देते हैं। हम केवल एक भाषा के तौर पर विकास का मिथ्या आवरण ओढ़ लेते हैं, जबकि सांस्कृतिक विकास की धारा से विमुख हो जाते हैं। इसलिए यह कहा जाना समुचित है कि मातृभाषा जमीनी संस्कार प्रदान करने वाली भाषा है। मातृभाषा से बच्चों का परिचय घर और परिवेश से ही शुरू हो जाता है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुनाफे में किसान का हिस्सा सुनिश्चित हो

देविंदर शर्मा

पर्यावरण विज्ञान के जाने-माने अध्ययनविद प्रोफेसर डेविस स्टोन, जो 'कृषि दुविधा : दुनिया का पेट कैसे भरें' नामक लेख के लेखक भी हैं, उन्होंने एक दिन ट्वीट करते हुए कहा, 'मैं कृषि संबंधी उद्योग और किसानी को जुदा मानता हूं। कृषि संबंधी उद्योगों को मिलने वाली संघीय सरकार की मदद अधिकाशंत: किसानों की एवज पर होती है।' मैंने महसूस किया कि नीति-निर्माताओं, नीति विश्लेषकों के अलावा मीडिया की अतार्किक व्याख्या को उजागर करता यह निचोड़ कितना सटीक है क्योंकि हमें यह यकीन दिलाना कि कृषि संबंधी उद्योग को सरकारी मदद का मतलब है किसानी मदद करना, तो यह तथ्यात्मक रूप से गलत है।

अपनी प्रतिक्रिया में मैंने इस तरह स्पष्ट किया 'भारत में भी, ज्यादातर विश्लेषक कृषि व्यवसाय को मिलने वाली मदद का अर्थ किसान को मिली मदद से निकालते हैं। यही वजह है कि जहां कृषि-संबंधी उद्योग तरक्की करते गए वहीं कृषक नीचे फिसलते गए।' कम से कम यह वही है जो मैंने सालों से होते देखा है। एक तरफ खाद, कीटनाशक, ट्रैक्टर और अन्य खेती उपकरण इत्यादि के निर्माता लगातार फल-फूल रहे हैं और उनके शेयरों के दाम बढ़ रहे हैं तो दूसरी ओर किसान को बुरी तरह कृषि-संत्रास झेलने पड़ रहे हैं। ठीक इसी वक्त मीडिया में आए दिन खबरें देखने को मिलती हैं कि सही दाम न मिलने से हताश किसान ने टमाटर, लहसुन, आलू और बैंगन सड़कों पर फेंक दिए या खड़ी फसल को खुद आग लगानी पड़ी। तमाम नतीजे किसान को ही भुगतने पड़ते हैं। आज तक नहीं देखा कि किसी व्यापारी को (जैविक उत्पाद खरीदने वाले सहित) अंतत: घाटा उठाना पड़ा हो। उदाहरणार्थ, पंजाब में, वर्ष 2000-2015 यानी 15 सालों में 16,600 किसानों ने आत्महत्या की है जबकि हमने शायद ही किसी व्यापारी को (सिवाय निजी कारणों से) खुदकशी करते पाया। दूसरे शब्दों में, कृषि आपूर्ति श्रृंखला इतनी चतुराई से गढ़ी गई है कि कड़ियों के दोनों छोर वाले तो फायदे में रहते हैं लेकिन किसान घाटे में। यही वजह है कि हर साल रिकॉर्ड कृषि उत्पादन होने के बावजूद कमाई में कृषक सबसे निचले पायदान पर रहता है।

अक्सर हैरानी होती है कि मार्च, 2021 में जारी एफएओ नामक संगठन की रिपोर्ट में भारतीय कृषि (वर्ष 2018) के अनुमान में सकल कृषि फसल उत्पादन का मूल्य 289,802,032 मिलियन डॉलर आंका गया, वहीं सकल खाद्य सामग्री उत्पादन 400,722,025 मिलियन डॉलर मूल्य का रहने पर भी किसान आर्थिक बदहाली में है।

आखिरकार, अपने 418,541,342 मिलियन डॉलर मूल्य के उत्पादन के साथ भारत दुनियाभर में चीन के बाद दूसरे पायदान पर है। फिर भी भारतीय खेती को भीषण संत्रास का सामना क्यों करना पड़े। इस बाबत 'सिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे ऑफ एग्रीकल्चर हाउसहोल्ड-2018 रिपोर्ट' में अनुमान के मुताबिक एक औसत कृषक की कुल पारिवारिक आय 10218 रुपये (124 डॉलर) प्रति माह है। इस कमाई में गैर-कृषि गतिविधियों से प्राप्त आमदनी भी शामिल है। लेकिन बात जब विशुद्ध से प्राप्त कमाई की करें तो यह महज 27 रुपये दैनिक बनती है। उत्पादन आंकड़ों को देखकर यह साफ है कि आर्थिक विकास की बुनियाद किसान की मेहनत पर टिकी है, और दौलत के असल सूत्रधार भी वे हैं। लेकिन जब हम खेती से प्राप्त आय देखें तो जिस दारूणता और दर्द के साथ कृषक किसी तरह जी रहा है, यह पहेली बनी हुई है। फिर भी, किसान की कमाई बढ़ाने की खातिर सरकारी सहायता के परोक्ष उपाय और कार्यक्रम, जिसमें फसल का गारंटिड मूल्य देना शामिल है, यह लाभ सीधे किसान को पहुंचे, ऐसी नीतियां बनाने के बजाय नियंताओं का ध्यान आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित रहता है, जिसका मतलब है एक बार फिर से खाद्य श्रृंखला के आखिरी छोर वालों का फायदा करना। इस जटिलता को आसानी से समझाने का उपाय 'एग्रीबिजनेस मैटर्स' नामक वेबसाइट चलाने वाले वेंकी रामचंद्रन नामक एक तकनीक-माहिर ने सुझाया है। इसके अनुसार, जाने-पहचाने 'स्माइली' प्रतीक चिन्ह को देखें तो होठों की मुस्कान अंग्रेजी वर्ण यू का द्योतक है, उसके दोनों अंतिम सिरों पर, एक पर कृषि में प्रयुक्त अवयवों के निर्माता हैं और दूसरे पर कृषि उत्पाद के खरीदार, तो वहीं चंद्राकार वक्र के सबसे निचले बिंदु पर दबा-कुचला किसान है।

इसलिए स्माइली वक्र उस अफसोसनाक सवाल का सबसे आसान जवाब है, जिसकी अनदेखी अधिकांश लोग करना चाहते हैं और फिर पूछते हैं 'जब कृषि से जुड़े तमाम व्यवसाय पैसा बना रहे हैं तो फिर किसान की कमाई क्यों नहीं हो रही?' जैसा कि अक्सर समझाता आया हूं, नई तकनीक से दक्षता बढ़ने और इससे बढ़े कृषि उत्पादन के बावजूद किसान की कृषि से होने वाली आय नीचे जा रही है।

साख बढ़ेगी तो हासिल होंगे निर्यात के लक्ष्य

सुरेश सेठ

इस बार संसद में विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए या अपनी सामान्य टिप्पणियों में भी प्रधानमंत्री ने यही कहा कि नया भारत आर्थिक संरक्षण के लिए गिड़गिड़ाता हुआ भारत नहीं है। उसके याचक बनकर संपन्न देशों के द्वार खटखटाने के दिन बीत गए। आज के भारत के हर बोल की परवाह दुनिया करती है। पश्चिम के बाहुबली देश भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देखते हैं। यह भारत की कूटनीतिक सफलता ही है कि जहां अमेरिका का व्यापारिक और सार्वजनिक क्षेत्र भारत के साथ अधिक से अधिक संबंध बनाए रखना चाहता है वहीं रूस भी पेट्रोल से लेकर अस्त्र-शस्त्रों की मदद तक से भारत के साथ व्यवसाय करते हुए कभी हाथ नहीं खींचता।

लेकिन दूसरी ओर यह भी कहा जा रहा है कि आज तक भारत आयात आधारित अर्थव्यवस्था है। उसे अब निर्यातधर्मी अर्थव्यवस्था बनाना है। न केवल बजट घाटे को घटाना है बल्कि विदेश व्यापार घाटे को भी कम करना है। इसलिए आज तक जो नहीं हुआ, वह हम करेंगे। उसे करने के लिए अब दो कदम उठाने पड़ेंगे। एक तो यह कि डॉलर के मुकाबले रुपये के गिरते हुए मूल्य को थामा जाए। दूसरा कदम यह कि हम अपने निर्यात के लिए वस्तुएं उत्पादित करते हुए कच्चे माल के लिए विदेशों पर निर्भर न रहें बल्कि अपने ही देश में कच्चे माल का उत्पादन कुछ इस ढंग से करें कि हमारा बजट घाटा कम हो सके और हमारे उत्पादों की मांग विदेशी मंडियों में बढ़े। हमारी विदेशी मुद्रा का सुरक्षित कोष भी अधिक हो ताकि रुपये के विनिमय मूल्य पर दबाव कम हो। आत्मनिर्भरता के लिए सीधा रास्ता है कि पेट्रोल और डीजल के उत्पादन को जितना हो सके, अपने देश में बढ़ाया जाए। प्राकृतिक गैस के लिए विदेशी निर्भरता को कम किया जाए। लेकिन इस वर्ष ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल के नये कुएं खोजने में कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई। प्राकृतिक गैस की कमी बरकरार है और देश आज भी 85 प्रतिशत पेट्रोलियम उत्पादों का आयात विदेशों से करता है।

डॉलर के मुकाबले रुपये का मूल्य निरंतर गिर रहा है। इस सबके चलते हमारे आयात तो महंगे और निर्यात सस्ते हो रहे हैं। व्यापार घाटा घटने की जगह और बढ़ रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक भी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में कमी थमी नहीं। निर्यात वृद्धि के दावों के बावजूद देश उसी तरह व्यापार घाटे की समस्या में ग्रस्त है। इस सबके साथ ही समस्या हमारे देश की व्यावसायिक साख को लेकर भी है। व्यावसायिक साख उचित विज्ञापनों से होती है और यहां खबर यह आ रही है कि यहां चिढ़ाने वाले भ्रामक और गलत विज्ञापनों की संख्या बढ़ रही है। इसके कारण हैं भारतीय कंपनियों में अंदरूनी खींचतान, विज्ञापनों का कमजोर कंटेंट व उसका सही संपादन नहीं होना और बड़े विज्ञापनदाताओं द्वारा दूसरे विकल्प खोजने जैसा अभियान। हाल में किये गये वर्ल्ड एडवर्टाइजर्स फेडरेशन के सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले साल की 43 बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में से 30 प्रतिशत कंपनियां इस साल अपना विज्ञापन बजट कम करने का विचार कर रही हैं। यहीं बस नहीं, आमदनी बढ़ाने के लिए निम्न स्तर के विज्ञापन दिए जाते हैं। कंपनियां कहती हैं कि ये शेयरधारकों के दबाव के कारण हो रहा है लेकिन इन्हें देखकर आम लोग अच्छा महसूस नहीं करते हैं।

अमेरिका में स्थित इंडियाना से खबर आई है कि ट्विटर पर ऐसे परेशान करने वाले विज्ञापन दिखाई देते हैं जिनका डिजाइन अच्छा नहीं। दूसरी ओर अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता की वजह से विज्ञापन बाजार ढीला है। ऐसी हालत में भारतीय उत्पादों के लिए नयी मांग पैदा होगी तो कैसे? देश की सोशल मीडिया कंपनियों की विज्ञापन आय कम हो गई है। हर बिक्री प्लेटफार्म पर ऐसे विज्ञापन आने लगे हैं जिसे बहुत कम लोग पसंद करते हैं। भारत सरकार ने ऐसे कई भ्रामक जानकारी चैनलों पर प्रतिबंध लगाया है लेकिन फिर भी विज्ञापनबाजी के इस प्लेटफार्म पर ये टेबलॉयड विज्ञापन भुतहा लगते हैं। फिर डिस्काउंट्स, गेमिंग एप्स और कुछ पोस्ट ऐसे फर्जी विज्ञापन जारी कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर ये विज्ञापन अंजान गर्भनिरोधक गोलियों का प्रचार करते हैं। साफ नजर आता है कि यूट्यूब पर पॉपुलर वीडियो क्रिएटर की नकल करने वाले इश्तिहार हैं। पिछले दिनों भारत से विदेशों को गयी हुई कई दवाइयों के नुकसान होने के आरोप वाले समाचार सामने आये। एक ऐसा देश जो विज्ञापनों की सहायता से अपने निर्यात को बढ़ाना चाहता हो, उसके लिए ऐसी खबरें ठीक नहीं हैं। भारत के सोशल मीडिया पर नजर आने वाले टैक्सट, वीडियो गेम्स, मैसेजिंग, ब्रांड टेकओवर व कस्टम फिल्टर विदेशी विज्ञापनों के मुकाबले निम्न स्तर के हैं। कई विज्ञापनदाता ऑनलाइन बजट बताकर गलत-सलत जानकारी के साथ प्लेटफार्म की ऑटोमैटिक नीलामी में हिस्सा लेने लगे हैं। इसीलिए प्रमुख विज्ञापनदाताओं ने, पिछले वर्ष के मुकाबले 55 प्रतिशत कम पैसा खर्च किया वहीं 6 प्रतिशत ने 2023 में कोई विज्ञापन नहीं दिया। स्नैपचैट ने अपनी सबसे कम तिमाही विकास दर रिकॉर्ड की। गूगल की कम्पनी ने बताया कि पिछली तिमाही में यूट्यूब के विज्ञापन 8 प्रतिशत कम हुए। इन्वेस्टमैंट बैंक पाइपर सैंडलर के अनुसार पिछली तिमाही में फेसबुक और इंस्टाग्राम विज्ञापनों का मूल्य 24 प्रतिशत कम हुआ। चूंकि शेयरधारकों के दबाव में पैसा बचाकर हर जगह से पैसा कमाने की कोशिश होती है इसलिए कम्पनियां हर जगह पैसा कमाने की कोशिश में लगी रहती हैं। नतीजा मौलिकताविहीन व निम्नस्तर के विज्ञापन अभियान जो पश्चिम की अत्याधुनिक मंडियों का ध्यान नहीं खींच सकते।

लौंग और शहद का सेवन

सूखी खांसी-गले में दर्द और खराश जैसी दिक्कतों को कम करने के लिए लौंग के चूर्ण और शहद को मिलाकर इसका सेवन करने से लाभ पाया जा सकता है। खांसी या गले में जलन होने पर दिन में 2-3 बार इसका सेवन किया जा सकता है। लौंग गले के संक्रमण को कम करने और शहद गले के खराश को कम करने में आपके लिए सहायक है। सर्दी-जुकाम की समस्याओं में इस उपाय से आराम पाया जा सकता है।

बदलते मौसम में बढ़ा बीमारियों का खतरा

दे शभर में इस समय तेजी से मौसम में बदलाव हो रहा है। कुछ जगहों पर तेज धूप तो कहीं ठंडी हवाएं चल रही हैं। सुबह सुबह ठंडी हवाओं और हल्की धूप के कारण लोगों को एक बार फिर सर्दी का अहसास हुआ। मौसम में बदलाव के कारण लोगों में सर्दी-जुकाम बुखार और गले की समस्याओं का जोखिम काफी सामान्य हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों और बुजुर्गों में इस तरह की समस्याओं का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता है, ऐसे लोगों को बदलते मौसम में विशेष सावधानियों की जरूरत होती है। वहीं यदि आपको सर्दी-गले में खराश की दिक्कत हो भी जाती है तो हर बार इसके लिए दवाओं की आवश्यकता नहीं है, इसमें कुछ आसान से घरेलू उपाय करके भी लाभ पाया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं मौसम में होने वाले बदलाव के कारण सर्दी-जुकाम और गले में संक्रमण का जोखिम किसी को भी हो सकता है, हालांकि जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है उनमें इसका जोखिम अधिक हो सकता है। वर्षों से दादी-नानी के घरेलू नुस्खों की मदद से इस तरह की समस्याओं में आसानी से राहत पाया जाता रहा है।

भाप से बंद नाक में मिलता है आराम

बदलते मौसम के साथ होने वाले संक्रमण के कारण नाक बंद होने की समस्या सबसे सामान्य है। इसके लिए आयुष मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार गले की परेशानी या बंद नाक में पुदीना के पत्तों या अजवाईन के साथ भाप लेने से लाभ मिलता है। यह कफ को कम करने के साथ नाक को खोलने और सांस लेने को आसान बनाती है। गले में होने वाले खराश और दर्द की समस्याओं के जोखिम को कम करने में भी इस घरेलू उपाय के प्रभाव देखे गए हैं।

नमक पानी से करें गरारे

गले में दर्द और खराश को कम करने और सर्दी के लक्षणों में नमक पानी के गरारे करने से लाभ मिलता है। एक गिलास पानी में 1 टेबल स्पून नमक डालकर 5 मिनट तक उबालें। जब तापमान सामान्य हो जाए तो इसे गरारे करने के लिए इस्तेमाल करें। आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक गले में खराश की स्थिति में राहत के लिए दिन में 3-4 बार गरारे करने की सलाह दी जाती है। गरारे के साथ गुनगुने पानी का सेवन करना भी लाभकारी तरीका हो सकता है।

तुलसी का पिएं काढ़ा

तुलसी सबसे अच्छी एंटीवायरल जड़ी-बूटियों में से एक है जिसे खांसी, सर्दी और गले में खराश में बहुत प्रभावी माना जाता है। 4-5 तुलसी के पत्तों को थोड़े से पानी में उबालकर इसे पीने से लाभ मिलता है। आप चाहें तो इसमें शहद, अदरक मिला सकते हैं। तुलसी के काढ़े में काली मिर्च, अदरक, लौंग, दालचीनी मिलाकर इसका सेवन करने से भी इस तरह की समस्याओं में आसानी से लाभ पाया जा सकता है। यह काढ़ा प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में भी आपके लिए मददगार है।

हंसना मना है

हमको यु पागल बनाना छोड़ दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

साली- जीजा अगले जन्म में क्या बनोगे? जीजा- जी छिपकली बनूंगा। साली- वो क्यों? जीजा- क्योंकि आपकी बहन सिर्फ छिपकली से ही डरती है।

लड़की वाले लड़का देखने आए, लड़के वाले-आपकी लड़की का क्या नाम है, लड़की वाले-हमारी प्यारी, सबकी प्यारी, रामप्यारी, लड़की वाले-आपके लड़के का क्या नाम है, लड़के वाले हमारा पी, आपका पी, सबका पी, पप्पू।

संता लड़की से- मुझे तुम्हें एक बात बोलनी है। लड़की- बोलो बाबा, शर्मा क्यों रहे हो? संता- मेरे साथ चाय पे चलोगी? लड़की- अरे नहीं बाबा चाय गर्म होती है, मेरे हाथ पैर जल गए तो...

टीचर- आज मैं क्विज प्रतियोगिता कर रही हूं सभी बच्चे जल्दी-जल्दी जबाब देना, टीचर- बताओं मधुमक्खी हमें क्या देती है, बच्चा-शहद, टीचर- पतली बकरी क्या देती है, बच्चा- दूध... टीचर- और भैंस हमें क्या देती है, बच्चा- होमवर्क, दे थप्पड़...दे थप्पड़...दे थप्पड़।

कहानी | खरगोश और चूहा

एक जंगल में एक खरगोश अपने परिवार के साथ रहता था। जहां आसपास बड़े जानवरों की संख्या ज्यादा थी। खरगोश और उसका परिवार हमेशा इस बात से डरे हुए रहते थे कि कोई जानवर आकर उन्हें नुकसान न पहुंचा दे। उन्हें अपने घर के आस-पास जरा भी हलचल सुनाई देती थी, तो वो झट से अपने बिल में छुप जाया करते थे। दूसरे जानवरों के डर से कुछ खरगोशों की मौत हो गई। यह सब देखकर खरगोश बड़ा परेशान रहता था। एक दिन घोड़ों का दल उनके घर के पास से गुजरा। घोड़ों की आवाज सुनकर सभी सहम गए और हमेशा की तरह अपने बिल में छुप गए। अपने परिवार को इस हालत में देखकर खरगोश बेहद दुखी हुआ। उसने भगवान को कोसते हुए कहा कि हे भगवान आपने हमें इतना कमजोर क्यों बनाया है। इस तरह जीने का क्या फायदा। तभी सारे खरगोशों ने मिलकर फैसला किया कि अच्छा होगा कि सब मिलकर एक साथ अपना जीवन त्याग देते हैं। सभी खरगोश इकट्ठे होकर आत्महत्या करने के लिए नदी की ओर निकल गए। नियत समय पर खरगोश और उसका पूरा परिवार नदी के पास पहुंचे। नदी के पास कई सारे चूहों के बिल थे। जब चूहों ने खरगोशों को आते देखा तो वो सभी डर गए और इधर-उधर भागने लगे। कुछ चूहे बिल में घुस गए, तो कुछ नदी में गिरकर मर गए। चारों तरफ अफरातफरी का माहौल था। ये पूरा वाकया देखकर खरगोश दंग रह गए। उन्हें इस बात का यकीन नहीं हो रहा था कि उन्हें देखकर भी किसी में दहशत हो सकती है। अब तक तो वह खुद को ही सबसे कमजोर प्राणी समझते थे और भगवान को दोष देते थे। अब खरगोशों की समझ में आ गया था कि भगवान ने दुनिया में अलग-अलग खासियत के साथ जीव-जन्तु बनाए हैं। जो जैसा है, उसे वैसे ही स्वीकार करना चाहिए। अगर किसी में कमी है, तो उसमें कुछ गुण भी हैं। हर किसी में एक जैसे गुण नहीं हो सकते। ये समझने के बाद खरगोश और उसका परिवार घर वापस लौट गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज इनकम कम और खर्च ज्यादा होगा। आज इलेक्ट्रॉनिक चीजों पर अचानक खर्च करना पड़ सकता है। आज कोर्ट-कचहरी के मामलों में अड़चने आ सकती हैं।

वृषभ

लंबी अवधि की आर्थिक योजना के लिए अनुकूल दिन है। आज आप जीवनसाथी के निकटता का सुख प्राप्त कर सकेंगे। आज का दिन हर क्षेत्र में लाभदायक हैं।

मिथुन

दिन की शुरुआत में चीजें योजना के अनुसार घटित नहीं हो पाएंगी। किन्तु आप घटनाओं पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं यह अत्याधिक महत्वपूर्ण है।

कर्क

आज नौकरी पेशा वाले लोगों का ट्रांसफर कहीं दूर हो सकता है। इस वजह से आपको अचानक नई परेशानियों और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह

आज अपने करियर के विषय में कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। कोई भी निर्णय लेने से पहले ठण्डे दिमाग से सोचें। शारीरिक और मानसिक आरोग्य अच्छा रहेगा।

कन्या

आज किस्मत आपका साथ देगी और जटिल समस्याओं का समाधान मिल सकता है। परियोजनाएं जो रुकी हुई थी अब वह गति पकड़ सकती हैं।

तुला

आज आपका दिन शानदार रहेगा। किसी बड़ी शख्सियत से आज आपकी मुलाकात होगी। ऑफिस के काम से आपको विदेश जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक

आज व्यावसायिक लाभ से मन प्रसन्न रहेगा। आज अच्छी आदतें और नियम में रहना आपके लिए लाभकारी होगा। भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है।

धनु

वित्तीय रूप से आज का दिन आपके लिए अच्छा नही रहेगा। निवेश आपके लिए समस्याएं पैदा कर सकता है। किसी जानकार से सलाह लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर

आज आपको व्यापार के मामलों में अचानक फायदा हो सकता है। आज आपका आत्मविश्वास पहले की अपेक्षा मजबूत रहेगा। मंदिर में माथा टेके, बिगड़े काम बनेंगे।

कुम्भ

आज का दिन भाग दौड़ भरा हो सकता है। आज आपको घर वालों व मित्रों के नकारात्मक स्वभाव को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए।

मीन

आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। जिसका आपको लम्बे समय से इंतजार था वो आज पूरे हो जाएंगे। आज आप किसी नए व्यवसाय को शुरू कर सकते है।

बॉलीवुड | मन की बात

रिटायरमेंट के सवाल पर शाहरुख खान ने दिया मजेदार जवाब

हाल ही में शाहरुख खान ने अपनी रिटायरमेंट पर खुलकर बात की। उसने ना केवल अपनी फिल्मों बल्कि अपनी फैमिली से भी रिटायरमेंट की बात कर दी। ट्विटर पर आश्क एसआरके एक और नए सेशन में शाहरुख खान ने लिखा कि हम काफी समय से आश्क एसआरके कर रहे हैं चलिए एक बार फिर चर्चा करते हैं लेकिन सवाल थोड़ा हटकर, प्यारे और मजेदार होने चाहिए। चाहें तो नो आश्क एसआरके सिर्फ 15 मिनटों के लिए। तभी शाहरुख खान से एक शख्स ने पूछ ही लिया कि कि आपके बॉलीवुड से रिटायर होने के बाद सबसे बड़ी चीज। ऐसे में शाहरुख खान का तड़कता भड़कता रिप्लाई सामने आता है। शाहरुख खान लिखते हैं कि मैं कभी एक्टिंग से रिटायर नहीं होने वाला मुझे तो फायर करना पड़ेगा। इसके बाद भी मैं ज्यादा हॉट बनकर वापिस लौटूंगा। इसके बाद शाहरुख खान से पूछा गया कि उनका सबसे फेवरेट सीन कौन सा है किसी नान एसआरके फिल्म का। फिर शाहरुख खान तपाक से कहते हैं कि अमिताभ बच्चन की अमर अकबर एंथनी का एक सीन उन्हें बेहद पसंद हैं जिसमें अमिताभ कहते हैं मैंने दो मारा भाई पर सोलिड मारा ना।।लोगों के सवालों का सिलसिला इसी तरह आगे भी जारी रहा। 2018 के बाद जीरो हुई और फिर लंबा ब्रेक ले लिया, आपने तब क्या किया? इस सवाल के जवाब में शाहरुख खान कहते हैं कि मैं घर पर बैठा और फिल वो सारी फिल्में देखीं जो मुझे दोबारा ऑडिएंस बनने पर मजबूर कर सकती हैं। लोगों ने पठान 2 के बनने पर भी सवाल पूछे। जब शाहरुख खान ने सेशन बंद किया तो कहते हैं कि अब जाना पड़ेगा बॉडी बुला रही है। आप लोगों को थिएटर में देखूंगा।

बॉलीवुड | गपशप

पाकिस्तान वाले बयान पर जावेद अख्तर की मुरीद हुईं कंगना रनौत

कंगना रनौत ने राइटर जावेद अख्तर को लेकर एक ट्वीट शेयर किया है। इस ट्वीट की खास बात ये है कि इसमें एक्ट्रेस उनकी तारीफ करती नजर आ रही हैं। कंगना रनौत ने 26/11 के आतंकवादी हमलों के बारे में जावेद अख्तर की हालिया कमेंट्स की तारीफ की है। जावेद अख्तर हाल ही में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने पाकिस्तान को 26/11 आतंकी हमले की याद दिलाते हुए कहा कि इन हमलों के अपराधी पाकिस्तानी थे।

कंगना ने मंगलवार को ट्विटर पर जावेद अख्तर की बयान का एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा, जब मैं जावेद साहब की शायरी सुनती हूं तो लगता था ये कैसे मां स्वरसती जी की पे इतनी कृपा है, लेकिन देखो कुछ तो सच्चाई होती है इंसान मैं तभी तो खुदाई होती है उनके साथ में।.. जय हिंद Javedakhtarjadu साहब... घर में घुस के मार.. हा हा.

जावेद ने किया था मानहानि का दावा

कंगना के खिलाफ जावेद अख्तर ने 2020 की मानहानि की शिकायत की थी। जावेद अख्तर ने दावा किया था कि अभिनेता ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बारे में एक टेलीविजन डिबेट में उनका नाम घसीटा था, और कहा था कि वह बॉलीवुड की मंडली के सदस्य थे। कंगना ने उनके खिलाफ कथित जबरन वसूली और आपराधिक धमकी के लिए काउंटर शिकायत दर्ज की थी। मामला न्यायाधीन है। उसने अख्तर पर ऋतिक रोशन को एक लिखित माफीनामा लिखने के लिए मजबूर करने का भी आरोप लगाया था, जिसके साथ वह उस समय सार्वजनिक रूप से बाहर हो गई थी।

पाकिस्तान पर साधा निशान

यहां बता दें कि उर्दू शायर फैज अहमद फैज की याद में एक कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान, अख्तर को अपने साथ शांति के संदेश वापस ले जाने और भारतीयों को यह बताने के लिए कहा गया कि पाकिस्तानियों ने उनका प्यार से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुंबई में 26/11 जैसे हमले देखने के बाद भारतीयों से इसको भूलने की उम्मीद करना गलत है। जावेद अख्तर ने कहा, हमलावर नॉर्वे, या मिस्र से नहीं थे। वे अभी भी आपके देश में मौजूद हैं, इसलिए अगर कोई भारतीय इस बारे में शिकायत करे तो आपको नाराज नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने अतीत में कई पाकिस्तानी कलाकारों की मेजबानी की है, लेकिन पाकिस्तान ने कभी भी लता मंगेशकर की मेजबानी नहीं की है।

बॉलीवुड | मसाला

अब सलमान खान की फिल्म का हिस्सा बनेंगे शिव ठाकरे

शिव ठाकरे बेशक बिग बॉस 16 के विनर न बन पाए हो, लेकिन शो का हिस्सा बनने के दौरान और बाद में भी वह लगातार सुर्खियां बटोर रहे है। हर दिन वह किसी न किसी कारण खबरों में नजर आते हैं। वहीं, शिव की किस्मत ऐसी चमकी की उन्हें कई प्रोजेक्ट्स भी ऑफर होने लगे हैं। तमाम रियलिटी टीवी शोज के बाद अब खबर आई है कि शिव ठाकरे को बॉलीवुड की एक बड़ी फिल्म में काम करने का मौका भी मिला है।

हाल ही में खबर आई थी कि शिव को रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी के लिए अप्रोच किया गया है। अब शिव ने इन खबरों की पुष्टि भी कर दी है। इसके अलावा उन्हें कंगना रनौत की होस्टिंग वाले रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में भी कंटेस्टेंट बनने का ऑफ मिला है। अभी फैंस इस खुशी से बाहर भी नहीं आ पाए थे, कि वह खबर आई है कि शिव की झोली में सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म आकर गिर गई है।

शिव ठाकरे के पास हैं कई प्रोजेक्ट्स

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शिव का कहना है कि उन्हें सलमान खान की फिल्म ऑफर की गई है। हालांकि, फिलहाल इस प्रोजेक्ट पर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ पाई है। दूसरी ओर ये भी कहा जा रहा है कि शिव को एक म्यूजिक वीडियो में भी जल्द ही देखा जाने वाला है, जिसमें उनके साथ बिग बॉस 16 की ही उनकी को-कंटेस्टेंट निमृत कौर अहलूवालिया नजर आएंगी।

अजब-गजब | यहां एक साथ खड़ी होती हैं तीन दर्जन से ज्यादा ट्रेनें

ये है दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन

भारत ही नहीं, दुनिया के अधिकतर देशों में कनेक्टिविटी का सबसे अच्छा जरिया रेलवे ही है। इंडियन रेलवे को ही ले लीजिए। हर दिन इसमें लाखों यात्री सफर करते हैं। अमीर ही नहीं, गरीबों के लिए भी भारतीय रेल बेहद सुविधाजनक होती है। रेलवे की बात हो तो अक्सर लोगों के मन में ये सवाल जरूर उठता है कि दुनिया की सबसे लंबी ट्रेन कौन सी है या फिर दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन कहां है और वो कितना बड़ा है।

आज हम आपको दुनिया के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। इस रेलवे स्टेशन का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में स्थित ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है। ये एरिया के मामले में नहीं, बल्कि सबसे ज्यादा प्लेटफार्म्स के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की रिपोर्ट के अनुसार इस रेलवे स्टेशन का निर्माण 1903-1913 के बीच हुआ था। भारत की बात करें तो यहां प्लेटफॉर्म के मामले में सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन हावड़ा का है जहां कुल 23 प्लेटफॉर्म हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि न्यूयार्क के इस रेलवे स्टेशन पर कुल 44 प्लेटफॉर्म हैं। यानी कुल 44 ट्रेनें एक साथ यहां खड़ी हो सकती हैं। जब इतनी ट्रेनें हैं तो स्वभाविक बात है कि यात्रियों की संख्या भी काफी ज्यादा होगी।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के अनुसार इस स्टेशन पर एक दिन में 1.25 लाख यात्री सफर करने आते हैं। यही नहीं, करीब 660 ट्रेनें स्टेशन से गुजरती हैं। स्टेशन कुल 48 एकड़ में फैला है। और इसमें दो अंडरग्राउंड लेवल हैं। पहले लेवल पर 41 ट्रैक हैं जबकि दूसरे लेवल पर 26 ट्रैक हैं। यहां एक खुफिया प्लेटफॉर्म भी है जो स्टेशन के ठीक बगल में बने वॉल्डोर्फ एस्टोरिया होटल के ठीक नीचे है। प्रेसिडेंट फ्रैंकलिन रूसवेल्ट होटल से सीधे इस खूफिया प्लेटफॉर्म पर व्हीलचेयर के सहारे उतरे थे जिससे वो जनता और मीडिया का सामना करने से बच सकें। हर साल स्टेशन से करीब 19 हजार चीजें खोई हुई पाई जाती हैं और उनमें से करीब 60 फीसदी को लौटा दिया जाता है।

दुनिया की सबसे लंबी जीभ वाला आदमी, उसी से बनाता है पेंटिंग

'आपकी जीभ बड़ी लंबी है।' आमतौर पर उन लोगों के लिए यह लाइन प्रयोग किया जाता है जो कहीं भी कुछ भी खा लेते हैं। जिनका मन खाना देखते ही ललचाने लगता है। पर सोचिए अगर आपकी जीभ सच में लंबी हो जाए। इतनी लंबी कि गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हो जाए तो क्या होगा। वैसे तो आम इंसान की जीभ 7.9 सेंटीमीटर से 8.5 सेंटीमीटर के बीच होती है यानी 3.1 इंच से लेकर 3.3 इंच तक। लेकिन अमेरिका के निक स्टोएबरल के पास दुनिया की सबसे लंबी जीभ (पुरुष) है। आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि वह इसी से पेंटिंग बनाते हैं। कैलिफोर्निया के निक स्टोएबरल के पास 10.1 सेंटीमीटर यानी 3.97 इंच लंबी जुबान है। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। हालांकि, वुमेन कैटेगिरी में यह रिकॉर्ड Gerkary Bracho Blequett के नाम है। उनकी जीभ 11.4 सेंटीमीटर लंबी है। लंबी जुबान होने से निक को कई फायदे मिलते हैं। वे इसी से पेंटिंग करते हैं। निक कहते हैं कि चेहरे पर लगी कैचअप को हटाने में उनकी जीभ बहुत काम आती है। निक के भाई चाड की भी जुबान काफी लंबी है। हाल ही में निक एक टीवी शो में शामिल हुए। लाइव शो के दौरान उन्होंने शो की प्रजेंटर हॉली विलॉगबी और फिलिप शॉफिल्ड की तस्वीरें अपनी जुबान से बनाईं। जब उन्होंने जीभ निकालकर पेंट उठाया और पेंटिंग बनानी शुरू की तो लोग अचरज भरी निगाहों से देखने लगे। हॉली विलॉगबी ने मजाक में कहा, मुझे लगता है कि मुझे आपको ऐसा करते हुए नहीं देखना चाहिए, यह बहुत पर्सनल लगता है। निक ने कहा, आप दोनों बहुत सुंदर हैं और आपकी सुंदरता को कैद करना काफी कठिन है पर मैंने अपनी पूरी कोशिश की। बाद में पता चला कि उन्होंने कमाल की पेंटिंग बनाई है। निक ने बताया कि जब लोगों ने पहली बार उनकी जीभ देखी जो सामान्य से अधिक लंबी थी तो एक बच्चे के तौर पर लोगों ने मजाक उड़ाया। जब मैं हाई स्कूल में पहुंचा तो मुझे लंबी जीभ वाले KISS रॉकर के नाम पर जीन सीमन्स सरनेम से पुकारा जाने लगा। जब उनकी कलाकृतियों की बात आती है तो उन्हें लिकासो के नाम से जाना जाता है। उनकी पिकासो से बहुत अलग शैली हो सकती है, लेकिन निक ने अपनी पेंटिंग बेचकर 1200 डॉलर यानी एक लाख रुपये कमाए हैं। पेंटिंग बनाने की शुरुआत कैसे हुई? इसके जवाब में निक कहते हैं कि अपनी जीभ से पेंटिंग करने वाले एक शख्स के यूट्यूब वीडियो देखकर उन्हें यह शौक हुआ और आज वह ऐसा कर पाते हैं।

आप ने दी भाजपा को पटखनी शैली ओबेरॉय दिल्ली की नई मेयर

150
वोटों के साथ मारी बाजी, भाजपा की रेखा गुप्ता को 116 वोट

» गुंडे हार गये, जनता जीत गयी : डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम यानी एमसीडी को उसका नया मेयर और डिप्टी मेयर मिल गया है। आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी शैली ओबरॉय ने मेयर पद का चुनाव जीता है। शैली ओबरॉय को 150 वोट मिले हैं।

शैली ओबेरॉय दिल्ली की पटेल नगर विधानसभा के वार्ड नंबर 86 से पार्षद हैं। 39 साल की शैली ओबेरॉय पेशे से प्रोफेसर हैं, शैली ओबेरॉय ने पीएचडी तक की पढ़ाई की हैं। वहीं पहली बार पार्षद चुनी गई हैं। शैली ओबेरॉय मात्र 269 वोटों से चुनाव जीती थीं। उन्होंने पटेल नगर विधानसभा के वार्ड नंबर 86 से बीजेपी की दीपाली कपूर को हराया था।

बुधवार दोपहर करीब 2 बजे मतगणना शुरू हुई। करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुई वोटिंग 2 घंटे से ज़्यादा वक्त तक चली। मेयर चुनाव में दिल्ली के कुल 10 मनोनीत सांसदों, 14 मनोनित विधायकों और 250 में से 241 निर्वाचित पार्षदों ने वोट किया। आम आदमी पार्टी के नेता सदन मुकेश गोयल के आग्रह पर अब मेयर चुनाव में समय बचाने के लिए दो बूथ में वोटिंग शुरु की गई थी। इस जीत के बाद दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा- गुंडे हार गये, जनता जीत गयी। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी का मेयर बनने पर सभी कार्यकर्ताओं को बहुत बधाई और दिल्ली की जनता का तहे दिल से एक बार फिर से आभार। आप की पहली मेयर शैली ओबरॉय को भी बहुत बहुत बधाई।

मेयर चुनाव के लिए हैं कुल 274 वोट

मेयर के चुनाव में कुल 274 वोट हैं। इसमें 250 निर्वाचित पार्षद, सात लोकसभा व तीन राज्यसभा सांसद और 14 विधायक शामिल हैं। निगम के सदन में वोटिंग के लिए दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने आप के 13 और भाजपा के एक विधायक को मनोनीत किया है। वोटों के खेल में आप भाजपा से आगे दिख रही है। आप के पास 150 वोट हैं, जबकि भाजपा के पास 113 वोट हैं। मेयर चुनाव से पहले मुंडका वार्ड से निर्दलीय चुनाव जीते गजेंद्र दराल भाजपा में आ गए थे। मेयर चुनाव के लिए शैली ओबरॉय आप और रेखा गुप्ता भाजपा की प्रत्याशी हैं।

तीन बार विफल हुई मतदान प्रक्रिया

मेयर चुनाव के लिए अब तक छह जनवरी, 24 जनवरी और छह फरवरी को सदन की बैठक बुलाई गई थी, लेकिन तीनों बार सदन में हंगामे के कारण मेयर का चुनाव नहीं हो पाया। इसके कारण बीते दो महीने में आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच राजनीतिक कलह बहुत ज्यादा बढ़ गई है।

एयर इंडिया के विमान की स्वीडन में आपात लैंडिंग

» 300 यात्रियों को अमेरिका से भारत ला रही थी लाइट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लगभग 300 यात्रियों के साथ एयर इंडिया नेवार्क (यूएस)-दिल्ली उड़ान (एआई-106) में तकनीकी खराबी आने के बाद स्वीडन के स्टॉकहोम हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की गई। सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। सूचना मिलने के बाद हवाईअड्डे पर बड़ी संख्या में दमकल गाड़ियों को तैनात किया गया था।

इस बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया है कि एयर इंडिया की एक फ्लाइट बुधवार को 300 यात्रियों को लेकर अमेरिका के नेवार्क से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। जब विमान आसमान में कुछ ही देर के लिए उड़ान भरी थी कि अचानक से उसके एक इंजन से तेल रिसने लगा। इसके बाद विमान की स्वीडन के स्टॉकहोम हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। लैंडिंग से पहले ही एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में दमकल की गाड़ियां तैनात कर दी गई थीं। बताया जा रहा है कि इस दौरान यात्रियों में भी दहशत का माहौल बना रहा।

युवक की गोली मारकर हत्या, शव खेत में मिला, जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फर्रुखाबाद। मऊदरवाजा थाने के गांव नगला डाल निवासी सैदान सिंह (35) आठ दिन पहले घर से भतीजी के घर जाने के लिए घर से निकले थे। बुधवार सुबह उनका शव गांव के ही पास खेत में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर सीओ सिटी प्रदीप सिंह, इंस्पेक्टर भी पहुंच गए।

युवक को गोली मारी गई है। पत्नी ने बताया कि वह घर से 30 हजार रुपये लेकर निकले थे। सौदान सिंह के एक साल का पुत्र आर्यन है। घटना के खुलासे को दो टीमें बनाई गई हैं।

गांव के लोगों का कहना है कि तीन दिन पहले वह गांव के पास शराब के ठेके पर बैठे देखे गए थे। उस दिन घर पर नहीं गए। पुलिस घाव को गोली नहीं मान रही है। ईंट से सिर कुचलने की बात कही जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा होगा। शव कब्जे में ले लिया गया है।

जासूसी मामले में सिसोदिया पर चलेगा केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी सरकार पर सीबीआई का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। फीडबैक यूनिट के जरिए विपक्षी दलों पर जासूसी कराने के आरोपों से घिरे दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केस चलाने की मंजूरी दे दी है।

» गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी

गौरतलब है कि दिल्ली की नई आबकारी नीति के बाद 2015 में दिल्ली सरकार की ओर से गठित फीडबैक यूनिट (एफबीयू) की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्रारंभिक जांच के बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की गई थी।

उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने इस मामले में कार्रवाई के लिए सीबीआई के अनुरोध को गृह मंत्रालय के माध्यम से राष्ट्रपति को भेज दिया था। इसे अब केंद्रीय गृह मंत्रालय की मंजूरी मिल गई है। सीबीआई की जांच में सामने आया कि कथित तौर पर खुफिया राजनीतिक जानकारियां इकट्ठा करने के लिए एफबीयू गठित की गई थी।

प्रतिद्वंदियों पर झूठे केस करना एक कमजोर और कायर इंसान की निशानी : सिसोदिया

केंद्र से एफबीयू मामले में केस चलाने की अनुमति मिलने के बाद मनीष सिसोदिया ने ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, अपने प्रतिद्वंदियों पर झूठे केस करना एक कमजोर और कायर इंसान की निशानी है। जैसे-जैसे आम आदमी पार्टी बढ़ेगी, हम पर और भी बहुत केस किए जाएंगे।

भाजपा ने किया स्वागत

भाजपा नेता वीरेंद्र सचदेव ने कहा, दिल्ली की जनता मनीष सिसोदिया पर FBU जासूसी कांड में मुकदमा चलाए जाने की प्रशासनिक अनुमति का स्वागत करती है, हमें विश्वास है कि मनीष सिसोदिया इस आरोप मे जेल जाएंगे। भाजपा मांग करती है कि सीबीआई तुरंत सिसोदिया को गिरफ्तार करे और इस कांड के असल अभियुक्त अरविंद केजरीवाल पर भी जांच हो।

2015 में इसलिए गठित हुई एफबीयू

2015 में आम आदमी पार्टी सरकार ने सत्ता में आने के बाद सतर्कता विभाग को और सुदृढ़ करने के लिए एफबीयू गठित की थी। आरोप है कि इस इकाई के जरिये राजनीतिक जासूसी करवाई जा रही थी। इस मामले की प्राथमिक जांच के बाद सीबीआई ने उपराज्यपाल को भेजी रिपोर्ट में कहा है कि भ्रष्टाचार पर शिकंजा कसने के लिए गठित एफबीयू ने कथित तौर पर राजनीतिक खुफिया जानकारी हासिल की थी।

सानिया का प्रोफेशनल टेनिस को बाय-बाय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत की स्टार टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा को अपने करियर के आखिरी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इस मैच के बाद टेनिस की सनसनी सानिया अपने टेनिस रैकेट को टांग देंगी। वह अब टेनिस को अलविदा कहेंगी। उधर डब्ल्यूटीए दुबई ड्यूटी फ्री चैंपियनशिप के पहले राउंड में ही सानिया और उनकी जोड़ीदार मैडिसन कीज को सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। आपको बता दें कि सानिय मिर्जा ने हाल ही में टेनिस से संन्यास का एलान किया था और यह उनके प्रोफेशनल करियर का आखिरी मुकाबला था।

स्टार भारतीय टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा अपने करियर के आखिरी मुकाबले में दुबई ड्यूटी फ्री चैंपियनशिप में अपनी अमेरिकी जोड़ीदार मैडिसन कीज के साथ उतरी। इनका सामना रूस की मजबूत जोड़ी वेरनोकिया कुदेर्मेटोवा और ल्यूडमिला सैमसोनोवा से हुआ। इस मुकाबले में सभी को उम्मीद थी कि सानिया अपने खेल का मैजिक दिखाएंगी और यह मुकाबला अपने नाम करेंगी। पर ऐसा नहीं हुआ और उन्हें पहले राउंड में ही 4-6, 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। सानिया का यह आखिरी मैच पूरे एक घंटे तक चला।

भारत की सबसे सफल महिला टेनिस प्लेयर

साल 2009 में सानिया ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीता। महेश भूपति के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन 2009 में वह मिक्स्ड डबल्स चैंपियन बनी। इसके बाद मिक्स्ड डबल्स में फ्रेंच ओपन 2012 और यूएस ओपन 2014 में भी उन्होंने टाइटल्स जीता। इसके बाद उनका ज्यादा फोकस महिला डबल्स पर गया। 2015 में सानिया ने विंबलडन और यूएस ओपन में महिला डबल्स टाइटल जीते। 2016 में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला डबल्स टाइटल जीतने में सफल रही। इस तरह अपने करियर में उन्होंने कुल 6 डबल्स ग्रैंड स्लैम टाइटल जीते। इसके अलावा सानिया 13 अप्रैल 2005 को सबसे पहली बार महिला डबल्स में नंबर-1 रैंकिंग हासिल करने में कामयाब रही।

कानपुर देहात कांड को गीत में उठाने पर नेहा राठौर को थमा दिया नोटिस

» यूपी में का बा को पुलिस ने बताया- वैमनस्य फैलाने वाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में का बा गाकर सुर्खियों में आईं लोक गीत गायिका नेहा सिंह राठौर को कानपुर देहात पुलिस ने नोटिस जारी किया है। नेहा ने कानपुर देहात कांड में मां-बेटी की जिंदा जलकर मौत के बाद यूपी में का बा सीजन-2 गाना गाया था। इसमें उन्होंने घटना का जिक्र करते हुए सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा था। नेहा को नोटिस कानपुर देहात की अकबरपुर पुलिस ने भेजा है। मंगलवार को नेहा के दिल्ली के एड्रेस पर पुलिस ने उनको नोटिस थमाया। इस नोटिस में नेहा से 7 सवालों का जवाब 3 दिन के भीतर मांगा गया है। नेहा ने यूपी पुलिस की कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया है। इसमें वो नोटिस पर साइन करते दिख रही हैं। नेहा पुलिस वालों से कहती हैं कि कौन इतना परेशान करवा रहा है आप लोगों को..। इस पर पुलिस वाले कहते हैं कि हमें कौन परेशान करवाएगा।

नेहा सिंह राठौर ने चार दिन पहले यूपी में का बा सीजन टू गीत सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। नेहा को यह नोटिस कानपुर देहात के अकबरपुर थाना की ओर से दी गई है। नोटिस के सबसे ऊपर लिखा है - नोटिस अंतर्गत धारा 160 सीआरपीसी। नोटिस में नेहा सिंह राठौर से सात सवाल किए गए हैं।

'ट्रिकी सवाल हैं, कानूनी सलाह लेकर दूंगी जवाब'

नेहा ने नोटिस पर कहा, वे कानूनी सलाह लेकर ही इन सवालों के जवाब देंगी। पुलिस की तरफ से पूछे गए सातों सवाल काफी ट्रिकी हैं। उनका जवाब हां या ना में देना मुश्किल है। इस वजह से लीगल प्रोसेस फॉलो करके ही जवाब देंगी।

यूपी में चुनाव का इंतजार बा, अगली बार भाजपा बाहर बा: अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रसिद्ध लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के गीत यूपी में का बा... को लेकर जारी की गई पुलिस द्वारा नोटिस को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसी अंदाज में योगी सरकार पर हमला बोला। पूर्व सीएम ने नेहा के गीतों को आधार बनाकर ट्वीट करते हुए लिखा है कि अगले चुनाव का इंतज़ार बा,यूपी में अगली बार भाजपा बाहर बा।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को ट्वीट कर प्रदेश की योगी सरकार पर तंज कसा है। ट्वीट की लाइनें प्रसिद्ध लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के गीत यूपी में का बा ... से मिलती जुलती रखी गई हैं। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि यूपी में का बा-यूपी में झुठ्ठे केसों की बहार बा,यूपी में गरीब-किसान बेहाल बा,यूपी में पिछड़े-दलितों पर प्रहार बा,यूपी में कारोबार का बंटाधार बा,यूपी में भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार बा,यूपी में बिन काम के बस प्रचार बा,यूपी में अगले चुनाव का इंतज़ार बा,यूपी में अगली बार भाजपा बाहर बा,यूपी में का बा,यूपी में झुठ्ठे केसों की बहार बा,यूपी में गरीब-किसान बेहाल बा,यूपी में पिछड़े-दलितों पर प्रहार बा,यूपी में कारोबार का बंटाधार बा,यूपी में भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार बा,यूपी में बिन काम के बस प्रचार बा,यूपी में अगले चुनाव का इंतज़ार बा,यूपी में अगली बार भाजपा बाहर बा।

उत्सव मना लड़की : कुमार विश्वास

कुमार विश्वास ने ट्विटर पर लिखा कि उत्सव मना लड़की। जब किसी जनकवि के गीत गाने भर से पुलिस-प्रशासन-सरकार विचलित होने लगें तो समझो सरस्वती तुम्हारे कंठ में सही शब्द उतार रही हैं। आज़म साहब की भैंस ढूंढने में जुटी रही महान पुलिस आज तुझ तक पहुँची है। आरती उतारो दारोग़ा जी की हमने भी पंजाब वालों को लस्सी पिलाई थी।

शेरवानी में सदन पहुंचे अखिलेश

» लिखा-हुजूर आज का 'बजट' शेरवानी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बजट के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) के कई विधायक एक अलग रंग की वेशभूषा में नजर आए। पूर्व मंत्री आजम खां के समर्थन में आज सपा विधायक सदन में शेरवानी पहनकर पहुंचे। अखिलेश यादव खुद शेरवानी पहनकर आए। दरअसल, सपा सदन के अंदर आजम खां के खिलाफ हुई कार्रवाई को लेकर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए ऐसा किया है।

इस दौरान समाजवादी पार्टी के ट्विटर अकाउंट से लिखा कि हुजूर आज का 'बजट' शेरवानी में, बड़ी-बड़ी उम्मीदों की

फोटो: सुमित कुमार

मेज़बानी में। एक विधायक ने कहा आज का ड्रेस कोड पार्टी ने तय किया है।

भाजपा को क्षत्रियों से नफरत: सुलखान सिंह

» ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर भी पूर्व डीजीपी ने उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी और रिटायर्ड आईपीएस अफसर सुलखान सिंह की एक फेसबुक पोस्ट से हंगामा मच गया है। बुधवार सुबह की गई पोस्ट में सुलखान ने भारतीय जनता पार्टी को क्षत्रियों से नफरत करने वाली पार्टी करार दिया। साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं।

भाजपा की क्षत्रियों से नफरत और गरीब सवर्णों के लिए आरक्षण शीर्षक से लिखी गई पोस्ट में सुलखान सिंह ने लिखा, काफी पहले मैंने गरीब सवर्णों के लिए आरक्षण का विरोध

किया था। मैंने स्पष्ट लिखा था कि एक चाल है कुछ लोगों द्वारा बचे खुचे पचास प्रतिशत पदों को हड़पने का षड्यंत्र है। गरीबी का पैमाना ऐसे बनाया जाएगा कि ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र कुछ वर्ग के लोग ही ले जाएंगे।

ईडब्ल्यूएस के लिए आठ लाख सालाना आय रखी गई है। लेकिन यदि किसी के पास पांच एकड़ या अधिक कृषि भूमि है तो वह ईडब्ल्यूएस के दायरे से बाहर हो जाएगा, भले ही उसकी आय कुछ भी हो। ई भी व्यक्ति यह समझ सकता है कि पांच एकड़ जमीन से आठ लाख तो दूर, चार लाख भी नहीं सकता है। यह शासनादेश भारत सरकार द्वारा जानबूझकर खेतीबाड़ी में लगे सवर्णों को आरक्षण श्रेणी से बाहर रखने के लिए जारी किया गया है। खेतीबाड़ी ही जिनकी आजीविका है और जो पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में नहीं आते हैं, वे हैं क्षत्रिय। अनारक्षित सवर्णों में क्षत्रिय ही ऐसे हैं जो अधिकांश खेतीबाड़ी पर निर्भर हैं। पांच एकड़ की यह सीमा जानबूझकर क्षत्रियों को बाहर करने के लिए की गई है। भाजपा सरकार क्षत्रिय विरोधी है, क्षत्रियों से नफरत करती है।

कभी भी कांप सकता है हिमालय क्षेत्र

वैज्ञानिक का दावा- भूकंप से होगी भारी तबाही, प्लेट्स में लगातार हो रहा विचलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। नेशनल जियो फिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक ने दावा किया है कि हिमालय क्षेत्र में जल्द ही बड़ा भूकंप आ सकता है। उन्होंने कहा कि भूकंप की तीव्रता काफी हो सकती है जो क्षेत्र में भारी तबाही ला सकता है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि संरचनाओं को मजबूत करके जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है। एएनआई की खबर के अनुसार, हैदराबाद स्थित एनजीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. पूर्णचंद्र राव का कहना है कि धरती की परत कई प्लेट्स से मिलकर बनी है और इन प्लेट्स में लगातार विचलन होता रहता है। भारतीय प्लेट्स हर साल पांच सेंटीमीटर तक खिसक गई हैं और इसकी वजह से हिमालय क्षेत्र में काफी तनाव बढ़ गया है। इसी के चलते हिमालय क्षेत्र में भारी भूकंप आ सकता है।

डॉ. पूर्णचंद्र राव ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, नेपाल के पश्चिमी हिस्से और उत्तराखंड में भूकंप आ सकता है। डॉ. राव ने कहा कि रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 8 रह सकती है। डॉ. राव ने कहा कि तुर्किये में आए भूकंप में इतनी भारी संख्या में लोगों की मौत की वजह औसत निर्माण रहा। उन्होंने कहा कि हम भूकंपों को नहीं रोक सकते लेकिन सरकार की गाइडलाइन का पालन करके मजबूत इमारतों के निर्माण किए जाने चाहिए।

भूकंप को लेकर संवेदनशील रहा है हिमालय क्षेत्र

बता दें कि हिमालय क्षेत्र भूकंप को लेकर संवेदनशील रहा है। हाल के दिनों में इस इलाके में कई छोटे-छोटे भूकंप आए हैं जो यह संकेत दे रहे हैं कि इस इलाके में जमीन के भीतर कई ऐसी चीजें हो रही हैं, जो भविष्य में किसी बड़े भूकंप का कारण बन सकती हैं। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के प्रमुख वैज्ञानिक अजय पॉल ने बताया है कि भारतीय और यूरेशियन प्लेट्स के टकराने से हिमालय क्षेत्र अस्तित्व में आया। उनका कहना है कि यूरेशियन प्लेट के भारतीय प्लेट पर पड़ रहे दबाव से भारी ऊर्जा इस इलाके में पैदा होती है और वही ऊर्जा भूकंप के जरिए जमीन से निकलती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।